



Prepravu zajišťuje: BusLine jižní Čechy s.r.o., Na Rovinkách 211, 513 25 Semily, Podmoklice, provozovna Tábor, tel. 481 368 111, doprava@busline.cz

1001				1003				1004				1005				1006				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007				1009				1007			
------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--	------	--	--	--

pokračování



jede v pracovních dnech
jede v sobotu



jede v neděli a ve státem uznané svátky
spoj jede po jiné trase



zastávka jen na znamení nebo požádání
spoj s bezbariérově přístupným vozidlem



zastávka s možností přestupu na železniční
dopravu



nejede 24.12.25



spoj 1003 Tč 1: 1003 vyčká v zastávce Mladá Vožice, aut.st. příjezdu spoje linky 453 z Tábora max. 5 min.

PRAŽSKÁ INTEGROVANÁ DOPRAVA(PID) Platí smluvní přepravní podmínky a Tarif PID.

Grafikony: PD: T3856 So+Ne: T3855